G.P.- Psychology
B.A. I (H) - Paper-I
Case Study Method

PAGE NO.: 01
DATE :

केस अध्ययन विधि मनोविज्ञान की एक प्रमुख विधि है। इसे मनोवैज्ञानिकों ने चिकित्साशास्त्र से ग्रहण किया है। इस विधि का उपयोग नैदानिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा व्यक्तियों के रोगात्मक लक्षणों को पहचान करने तथा उसके कारणों का पता लगाने में काफी किया जाता है। यही कारण है कि इसे नैदानिक विधि भी कहा जाता है।

इस विधि में व्यक्ति के व्यवहार को समझने के लिए उसके जीवन की विभिन्न घटनाओं का एक विस्तृत इतिहास तैयार किया जाता है। इसीलिए इस विधि को केस विवरण विधि भी कहा जाता है। इस विधि का उपयोग कई मनोवैज्ञानिकों द्वारा किया गया है जिसमें सिगमंड फ्रायड द्वारा सर्वाधिक उपयोग किया गया है। सिगमंड फ्रायड ने कई केसेज का अध्ययन करके व्यक्तित्व तथा मानसिक बिमारी के लिए प्रसिद्ध सिद्धान्त का प्रतिपादन किया है।

केस विवरण तैयार करते समय मनोवैज्ञानिक निम्नांकित तथ्यों पर अधिक ध्यान देते हैं :-

① प्रारंभिक सूचनाएँ :- इसके अन्तर्गत व्यक्ति के नाम, उम्र, योन, माता-पिता का उम्र, शिक्षा, पेशा, सामाजिक-आर्थिक परिवार में सदस्यों की संख्या आदि तथ्यों को सम्मिलित किया जाता है।

② गत इतिहास :- इसके अन्तर्गत गर्भधारण से वर्तमान समय तक का इतिहास तैयार किया जाता है। व्यक्ति जब गर्भ में था, उस दौरान माँ की स्थिति कैसी थी, जन्म किस प्रकार हुआ, जन्मक्रम, बीमारी एवं संक्रमण आदि से सम्बन्धित तथ्यों को इकट्ठा किया जाता है।

③ वर्तमान स्थिति :- केस विवरण तैयार करने में व्यक्ति के वर्तमान अवस्था के बारे में भी एक लेखा-जोखा तैयार

कर लिया जाता है। जैसे बुद्धि-स्तर, रुचि, शौक, अभिक्षमता, सांवेगिक स्तर, शैक्षिक उपलब्धि आदि के बारे में तथ्य इकट्ठा किया जाता है।

केस विवरण तैयार करने में मनोवैज्ञानिक साक्षात्कार, प्रश्नावली, परीक्षण एवं मापनी का उपयोग करते हैं और उस व्यक्ति के सम्बन्धियों से भी जानकारी लेते हैं। केस विवरण तैयार करने के बाद उसका विश्लेषण किया जाता है और उस विश्लेषण के आधार पर व्यक्ति के व्यवहार के बारे में एक सामान्य निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है।

Merits :- नैदानिक विधि के प्रमुख गुण निम्नलिखित हैं:-

(1) इस विधि द्वारा व्यक्ति का गहन अध्ययन संभव है।

(2) इस विधि से व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक विकास-क्रम को अच्छी तरह समझा जा सकता है।

(3) इस विधि में व्यक्ति की समस्याओं एवं उनके संभावित कारणों पर सीधा प्रकाश डालने का अवसर प्राप्त होता है।

Demerits :- इस विधि के प्रमुख दोष निम्नलिखित हैं:-

(1) व्यक्ति के इतिहास की सूचना देनेवाले व्यक्ति महत्वपूर्ण सूचना छिपा सकते हैं।

(2) प्राप्त सूचना को जाँचने की कोई उपयुक्त विधि नहीं है।

(3) इस विधि में वस्तुनिष्ठता कम और आत्मनिष्ठता अधिक है।

(4) अनोखे व्यक्ति के लक्ष्य में निकाले गए निष्कर्ष का सामान्यीकरण उचित नहीं है।

इन दोषों के बावजूद यही एक ऐसी विधि है जिसके माध्यम से व्यक्ति के व्यवहारात्मक समस्याओं का वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन की जा सकती है।